शैलकला अभिलेखन अभिविन्यास कार्यशाला

12 सितम्बर, 2022

परियोजना के तहत शैलकला सर्वेक्षण एवं अभिलेखन हेतु एक बहुविषयक स्थानीय/सम्बंधित अध्ययन क्षेत्र के विद्वतजन (पुरातत्त्वेत्ता, शैलकला विशेषज्ञ, भू–विज्ञानशास्त्री, मानवशास्त्री आदि) की टीम का गठन किया गया जिससे शैलकला के विभिन्न पक्षों का समालोचनात्मक अध्ययन किया जा सके। 12 सितम्बर, 2022 को परियोजना का प्रथम चरण अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन तीनों संस्थाओं के सहयोग से डी0ए0वी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सेमिनार हाल में हुआ। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो0 सोनवणे (रिटायर्ड प्रोफ़ेसर, पुरातत्त्व विभाग, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा, गुजरात) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 सत्यदेव सिंह (प्राचार्य, डी0ए0वी0 पी0 जी0 कालेज) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आधार वक्ता डॉ0 रमाकर पंत (विभागाध्यक्ष, आदि दृश्य विभाग) रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 ओमप्रकाश (असिस्टेंट प्रोफसर, प्रा0 भा0 इ0 सं0 एवं पुरातत्त्व विभाग, डी0ए0वी0 पी0 जी0 कालेज) द्वारा किया गया।

डॉ0 रमाकर पंत द्वारा आधार वक्तव्य

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण से हुआ। सर्वप्रथम कार्यशाला का स्वागत उद्‌बोधन डॉ0 मुकेश कुमार (विभागाध्यक्ष, डी0ए0वी0 पी0 जी0 कालेज) द्वारा किया गया। डॉ0 ओमप्रकाश ने चंदौली जनपद के पुरातात्त्विक महत्त्व पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। तत्पश्चात अभिविन्यास कार्यक्रम का आधार व्याख्यान डॉ0 पंत द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ0 पंत ने आदि दृश्य विभाग द्वारा शैलकला के क्षेत्र में अभी तक किये गए कार्यों का संक्षिप्त परिचय दिया, साथ ही चन्दौली जनपद के शैलचित्र कला अभिलेखन परियोजना के प्रमुख उद्देश्यों यथा सर्वेक्षण, अभिलेखन, संरक्षण आदि की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रो0 सोनवणे

मुख्य वक्ता प्रो0 सोनवणे ने टीम को सर्वेक्षण एवं अभिलेखन के लिए क्या आवश्यक है और कैसे, इसका परिचय दिया। विषय क्षेत्र का पारिस्थितकीय तंत्र, शैलकला पुरास्थल की स्थिति व स्वरूप, शैलांकन तकनीक, विषयांकन, कालानुक्रम, वर्तमान जीवंत पद्धति में इस कला की निरंतरता आदि का अध्ययन का स्वरूप कैसा हो इसके बारे में टीम के सदस्यों को अवगत

कराया। इसके साथ ही स्थानीय आम–जनमानस के मध्य संबंधित जागरूकता हेतु किये जाने वाले प्रयासों के सन्दर्भ में भी संक्षिप्त परिचय प्रदान किया।

कार्यक्रम में टीम सदस्यों के अतिरिक्त बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं विभिन्न कालेजों के अध्यापक, शोधछात्र, विद्यार्थी आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंचासीन अतिथिगण बांए से दांए क्रमशः डॉ0 मनीषा सिंह, डॉ0 दिलीप कुमार सन्त, डॉ0 ओमप्रकाश, प्रो0 वी0 एच0 सोनवणे, डॉ0 रमाकर पंत, डॉ0 मुकेश कुमार व प्रो0 प्रशांत कश्यप

कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापक, शोधछात्र व विद्यार्थी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर डॉ0 पंत एवं प्रो0 सत्यदेव सिंह, साथ में डॉ0 ओमप्रकाश (बांए)